मैथिली (प्रतिष्ठा)
बी० ए० (H) पार्ट - II

(II)

डॉ० बसंत कुमार
G.T
दिनांक - 09-04

वर्णरत्नाकर

डॉ० जयकांत मिश्रक मत - (The ocean of varnas or descriptions) (वर्णनक समुद्र) एहि ठामक वर्ण शब्दक अर्थकेँ सुनीतिबाबू स्पष्ट शब्देँ करैत छथि जे वर्णक अर्थ वर्णन नहि होइत अछि, आरम्भिक वाक्य सभसँ प्रतीत होइत अछि जे (सुनीतिबाबूक मतेँ एकर रचना) कवितोकनिक मार्गदर्शनार्थ कयल गेल अछि।

मुनी श्रीजिनविजयजीक कथन छनि जे एहि प्रकारक वर्णक पाण्डित्यग्रन्थहुमे पाओल जाइत अछि, एकर अतिरिक्त संस्कृत आ गुजराती ग्रन्थ सभमे सेहो प्रचुर मात्रामे भेटैत अछि।

विद्वान लोकनिक उद्देश्य जे रहल हो, किन्तु सभ सहमत छथि जे वर्णरत्नाकरमे तत्कालीन जनजीवनक सामाजिक ओ सांस्कृतिक पक्षक अद्भुत वर्णन कयल गेल अछि।

वर्णरत्नाकरक तुलना सर जार्ज ग्रियर्सनक बिहार पीजेंट लाइफसँ कयल जा सकैत अछि। दुनू ग्रंथमे अन्तर एतबे ओहिमे सामान्य जनक जीवन मुख्य अछि, मुदा एहिमे प्रबुद्ध वर्गक जीवन। एहि प्रकारक एक ग्रंथ संस्कृतमे सेहो पाओल गेल अछि।

शेष अगिला अंकमे